IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.301
Volume 3, Issue 3, December 2023

आधुनिक जीवन में 'श्रीरामचरितमानस' एवं पातंजल योगसूत्र की भूमिका

डॉ. वीना
प्रवक्ता, योग विज्ञान विभाग
पं. ललित मोहन शर्मा परिसर,ऋषिकेश
श्री देव सुमन विश्वविद्यालय, उत्तराखण्ड
डॉ. सुषमा मौर्या
असिस्टेंट प्रोफेसर, योग
श्री जे.जे.टी. विश्वविद्यालय, झुंझुनू, राजस्थान

शोध सार : भारत देश की जिस धरती में 'श्रीरामचरितमानस' की रचना की गई वहाँ के सामाजिक, आध्यात्मिक, धार्मिक और जीवन मूल्यों की सम्पूर्णता का समावेश एक साथ है। ''रामचरित मानस'' अपने मूल रूप में अवधि साहित्य (हिन्दी साहित्य) की एक महान रचना मानी जाती है, भारतीय संस्कृति में 'श्रीरामचरितमानस' का एक विशिष्ठ स्थान है। 'श्रीरामचरितमानस' की लोकप्रियता अद्वितीय है। उत्तर भारत में इसे बहुत से मनुष्यों द्वारा ''रामायण'' के रूप में पढ़ा जाता है।

योग कीर्ति को प्रत्येक जन मानस तक पहुँचाने व मानव को महामानव बनाने वाली प्रक्रिया योग विद्या का रहस्य जितना गूढ माना जाता है। उसके कहीं अधिक योग विद्या के प्रणेता महर्षि पतंजलि का जीवन चरित्र है। योग के क्षेत्र में महर्षि का जीवन चरित्र वस्तुतः जो जन सामान्य के सामने हैं, परंतु आज भी उनके जीवन के ऐसे अनसुलझे पहलू हैं। योग सूत्र वर्तमान काल में भी योग का एक अद्वितीय ग्रंथ माना जाता है।

मुख्य शब्द : श्रीरामचरितमानस, महर्षि पतंजलि, योग, समाधि, साधन, विभूति व कैवल्य पाद।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. कुमार श्री, 1966, "रामचरितमानस का तत्व दर्शन", लोक चेतना प्रकाशन, जबलपुर।
2. गुप्ता, डॉ0 माता प्रसाद, 1942, "तुलसीदास", लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद।
3. पतन्जलियोग दर्शन, स्वामी हरिहरानन्द, मोती लाल बनारसी दास, ISBN- 978-81-205-2255-9
4. योगदर्शनम्, आचार्य उदयवीर शास्त्री, गोविन्दराम हंसानन्द संस्करण 2015
5. महर्षि पातञजलयोग दर्शन, गीता प्रेस गोरखपुर, श्री हरिकृष्णदास गोयन्दका
6. योगदर्शनम् आचार्य उदयवीर शास्त्री, गोविन्दराम हसानन्द संस्करण 2015
7. श्रीमदभगवत,गीतातत्वविवेचनी टीका, जयदयालगोयन्दका, गीता प्रेस गोरखपुर 2016, तेरहवा पुनर्मुद्रण, ISBN-81-293-0204-7
8. पोद्दार, हनुमान प्रसाद–टीकाकार, 2069, "तुलसीदास रामचरित मानस", गीताप्रेस गोरखपुर।
9. दीक्षित, डॉ0 राजपति, 1953, "तुलसीदास और उनका युग", ज्ञानमण्डल लिमिडेट, वाराणसी।
10. भटनागर, रामरतन, 1987, "तुलसी नव मूल्यांकन", स्मृति प्रकाशन इलाहाबाद।

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.301
Volume 3, Issue 3, December 2023

11. भट्ट, सूर्य नारायण, 1987, "तुलसी और मानवता", ऊर्जा प्रकाशन, इलाहाबाद।

12. मंगला, डॉ0 प्रेम सुख, 2015, "रामचरितमानस में अद्वैत मीमांसा" चौखम्भा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली।